लूम फ्रेम

फ्लैश कार्ड

शिक्षक संदर्शिका

- प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा।
- विभिन्न दक्षताओं हेतु आइकन।
- प्रत्येक खेल-खिलौने सामग्री के उपयोग की सुझावात्मक विधि।
- खेल खिलौना सामग्री की दक्षताओं के साथ मैपिंग।
- सामग्री का विवरण।
- कहानी कार्ड की कहानियाँ।
- बोर्ड गेम के नियम।

जादुई पिटारा एक झलक

- कविता पोस्टर
- पोस्टर
- कहानी कार्ड
- अनुक्रमिक कार्ड
- मेरा साथी कौन
- अन्तर ढूँढो कार्ड
- नंबर-डॉट डोमिनो
- कलर डोमिनो
- फ्लैश कार्ड
- वर्णमाला कार्ड (हिन्दी/ अंग्रेजी)
- वर्गीकरण कार्ड
- जोड़-तोड़
- वर्णमाला चार्ट (हिन्दी/ अंग्रेजी)
- बाघ-बकरी
- लूम फ्रेम
- मेरी रेलगाड़ी
- सेहत की टोकरी
- आकृति बोर्ड
- तराजू
- वाद्ययंत्र
- कठपुतली
- शब्द गोटी
- अक्षरों की घूमती दुनिया
- जोकर बोर्ड
- खेल गाड़ी
- फेल्ट आकृतियां
- आओ करतब दिखाएं
- अबेकस
- मनके
- गुड्डा-गुड़िया
- फूलदेई बोर्ड
- गेंद
- चुंबक
- बीकर
- 3 डी आकृतियां
- पिट्ठू की मिनार
- चकला-बेलन
- तोरण
- हैंड लेंस
- किचन सेट

पिट्ठू

जादुई पिटारा
उत्तराखण्ड

ई.सी.सी.ई. प्रकोष्ठ
पाठ्यक्रम शोध एवं विकास विभाग
एस.सी.ई.आर.टी. उत्तराखण्ड

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
उत्तराखण्ड देहरादून।
फोन : 0135-2789655 फैक्स : 0135-2789656
Email-scertuk@gmail.com, website : www.scertuk.gov.in

'जादुई पिटारा उत्तराखण्ड'

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बुनियादी स्तर पर पाँच वर्षों की लचीली, बहुस्तरीय, गतिविधि तथा खेल आधारित शिक्षा की अनुशंसा करती है (एन.ई.पी. 2020 पैरा 4.2)। बच्चे के जीवन के प्रथम आठ वर्ष उनके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही सीखने के अनुभव एवं उनके आस-पास का वातावरण बच्चे के सर्वांगीण विकास यथा शारीरिक, संज्ञानात्मक, भाषायी और सामाजिक-भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करते हैं। बच्चों को खिलौने से खेलना सबसे अधिक प्रिय एवं आनंददायक लगता है। खिलौने बच्चे के विकास को दिशा देने के साथ-साथ एक शैक्षिक उपकरण के रूप में भी कार्य करते हैं तथा बच्चों की रचनात्मकता एवं कल्पना शक्ति को प्रोत्साहित करने में सहायक होते हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली द्वारा निर्मित जादुई पिटारा को आधार मानते हुए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तराखण्ड ने राज्य के परिपेक्ष्य में खेल-खिलौना अधिगम किट 'जादुई पिटारा उत्तराखण्ड' का निर्माण किया। 'जादुई पिटारा उत्तराखण्ड' में 3 से 8 वर्ष के बच्चों हेतु खेल-खिलौने, क्राफ्ट सामग्री व प्रिन्टिंग सामग्री सम्मिलित है।

मुख्य लक्ष्य

- शारीरिक विकास।
- सामाजिक और नैतिक विकास।
- संज्ञानात्मक विकास।
- भाषा और साक्षरता विकास।
- सौन्दर्यबोध और सांस्कृतिक विकास।
- सीखने की सकारात्मक आदत विकसित करना।

कविता पोस्टर

- घुघुती बासूती
- फूलदेई
- हरा समन्दर, गोपी चन्दर

कठपुतली

पोस्टर

- पहाड़ का गाँव
- आओ नाचें गाएं
- मेला
- बर्तनों की टनाटन

बाघ बकरी बोर्ड

कहानी कार्ड

- चल तुमड़ी, बाटु-बाट
- तीन दोस्त
- अंगूर खट्टे हैं
- बन्दर और मगरमच्छ

फूलदेई बोर्ड